सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 314 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 21 दिसम्बर, 2021

मूल्य ₹ 3/-

माता-पिता का सम्मान किया जाना चाहिए और बड़ों का भी, जीवित प्राणियों के प्रति दयालुता को मजबूत किया जाना चाहिए और सत्य बोला जाना चाहिए।
–सम्राट अशोक

जिद...सच की

राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं को... 8
मिशन यूपी: आधी आबादी को... 3
डराने लगा ओमिक्रॉन, बूस्टर डोज... 7

गरीबों की जेब काटकर अमीरों की तिजोरी भर रही भाजपा : अखिलेश

केवल नाम और रंग बदलने का काम कर रही है प्रदेश सरकार

यूपी में कानून व्यवस्था ध्वस्त महंगाई चरम पर पहुंची

» जनता को किया जा रहा अपमानित, किसानों को नहीं मिल रहा फसलों का दाम

» मैनपुरी की जनसभा में सपा प्रमुख ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनपुरी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज मैनपुरी में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने प्रदेश की जनता को दिक्कत, किल्लत और जिल्लत दी है। वह गरीबों की जेब काटकर अमीरों की तिजोरी भर रही है। भाजपा से हर वर्ग नाराज है। किसान को खाद नहीं मिल रही है। फसल की सही कीमत नहीं मिल रही है। डीजल-पेट्रोल महंगा होने से गरीब की गाड़ी नहीं चल पा रही है।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में प्रदेश सरकार ने किसी की मदद नहीं की। भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गयी है। पुलिस तंत्र को बर्बाद कर दिया गया और दिल्ली वाले कह रहे हैं कि ये उपयोगी सरकार है। ये उपयोगी नहीं अनुपयोगी सरकार है। ऐसी अनुपयोगी सरकार को जनता उखाड़ फेंकेगी। ये सरकार शिलान्यास का शिलान्यास कर रही है। भाजपा सरकार केवल नाम और रंग बदलने का काम कर रही है। भाजपा की ऐतिहासिक हार होने जा रही है। बाबा मुख्यमंत्री लाल रंग से घबरा रहे हैं। ये भावनाओं को रंग है। ये क्रांति का रंग है।

सपा की विजय रथ यात्रा में उमड़े लोग

समाजवादी पार्टी की आठवें चरण की विजय यात्रा आज मैनपुरी से शुरू हुई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव यहां से विजय रथ पर सवार होकर एटा के लिए प्रस्थान किया। इस दौरान लोगों का जन सैलाब उमड़ा रहा। इस दौरान लोगों ने सपा प्रमुख का स्वागत फूल-मालाओं से किया।

चुनाव से पहले पीएम ने मातृ शक्ति को दी सौगात

» करोड़ों रुपये किए हस्तांतरित, 202 पोषण इकाइयों का शिलान्यास

» कहा, अब यूपी का विकास रुकने वाला नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संगमनगरी प्रयागराज में आज करीब एक हजार करोड़ के रिवाल्विंग फंड से स्वयं सहायता समूह की 16 लाख महिलाओं को उपहार दिया। इसके तहत 20 हजार व्यापार सखियों के खातों में पहले महीने का 4000 रुपये मानदेय हस्तांतरित किया गया। पीएम मोदी ने एक लाख से ज्यादा कन्या सुमंगल योजना के लाभार्थियों के लिए 20 करोड़ रुपए की भी व्यवस्था की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकार ने पोषण की जिम्मेदारी महिलाओं को सौंप दी है। इससे उनकी आमदनी भी बढ़ेगी और किसानों को भी फायदा होगा। अब प्रदेश का विकास किसी से रुकने वाला नहीं है। महिला शक्ति ने ठान लिया है कि वह पिछली सरकारों का दौर प्रदेश में फिर से आने नहीं देंगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं। इससे सशक्तिकरण हो रहा है। इसके पहले आज जब पीएम मोदी प्रयागराज पहुंचे तो उनका स्वागत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इस आयोजन में प्रदेश भर से करीब ढाई लाख महिलाएं शामिल हुईं। विभिन्न योजनाओं के तहत मातृ शक्ति को पीएम मोदी 1230 करोड़ का उपहार दिया। प्रधानमंत्री ने 202 पूरक पोषण निर्माण इकाइयों की आधारशिला भी रखी। इन इकाइयों का संचालन वित्तपोषण स्वयं सहायता समूह कर रहे हैं। इनके निर्माण में प्रति इकाई के हिसाब से लगभग एक करोड़ रुपये का खर्च आएगा। यह इकाइयां राज्य के 600 प्रखंडों में एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) के तहत पूरक पोषण की आपूर्ति करेंगी। इस मौके पर तमाम मंत्रीगण मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री टेनी के इस्तीफे की मांग को लेकर संसद में संग्राम जारी

» विपक्ष के हंगामे के चलते लोक सभा और राज्य सभा की कार्यवाही बाधित

» 12 सांसदों के निलंबन को रद्द करने की भी मांग कर रहे विपक्षी दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लखीमपुर हिंसा पर संसद में सियासी संग्राम थम नहीं रहा है। विपक्ष ने आज भी केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के इस्तीफे और 12 सांसदों के निलंबन को रद्द करने की मांग को लेकर लोक सभा और राज्य सभा में हंगामा किया। हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित रही।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के हंगामे के कारण राज्य सभा को स्थगित करना पड़ा। विपक्ष राज्य सभा के 12 सदस्यों के निलंबन और लखीमपुर खीरी कांड में गिरफ्तार आशीष मिश्रा के पिता और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के इस्तीफे की मांग पर अड़ा है। विपक्षी दल ने लोक सभा में भी हंगामा किया। विपक्ष ने मार्च भी निकाला।

विपक्ष के गुंडे जालीदार टोपी जेब में रख लाल टोपी पहन लिए : केशव

» विधानसभा चुनाव को लेकर जुबानी जंग और तेज हुई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर जुबानी जंग और तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव द्वारा सीएम योगी को अनुपयोगी बताए जाने पर अब राज्य के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने जवाबी हमला बोला है। मौर्य ने पलटवार करते हुए कहा प्रधानमंत्री मोदी ने जिस मंच पर यूपी+योगी यानी की उपयोगी बताया था उस वक्त वो भी वहां मौजूद थे। मौजूदा समय में अखिलेश यादव की बौखलाहट और बेचैनी बता रही है कि वो सत्ता का स्वप्न देख रहे थे, लेकिन अब वह स्वप्न ही रहने वाला है।

डिप्टी सीएम ने कहा, सपा सरकार में जो गुंडे माफिया जालीदार टोपी लगाए रखते थे, वह अब उसको जेब में रखकर लाल टोपी लगाए हुए हैं। गांव और नगर की जनता को पता है कि वो अभी ही डराने और धमकाने लगे हैं, ऐसे में उन्हें यही जनता जवाब देगी। डिप्टी सीएम ने कहा कि 2022 में 2017 वाला आंकड़ा भी सपा छू पाएगी, इसमें उन्हें शक है। मौर्य ने कहा चुनाव हारने पर फोन टैपिंग, ईवीएम और ध्रुवीकरण करने का भी आरोप लगाएंगे, लेकिन अगर जीत रहे होंगे तो सब कुछ सही है। डिप्टी सीएम ने कहा, दरअसल विपक्ष अभी अभ्यास कर रहा है कि 2022 के चुनाव परिणाम आने पर उन्हें कैसे रिएक्ट और अपना बचाव करना है।

30 दिसंबर को मुरादाबाद आएंगे अमित शाह

लखनऊ। भाजपा की जन विश्वास यात्रा 30 को मुरादाबाद में पहुंचेगी। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रह सकते हैं। कार्यालय पर हुई बैठक में जन विश्वास यात्रा के मुरादाबाद में रूट का निर्धारण किया गया। बैठक में बताया गया कि जन विश्वास यात्रा मुरादाबाद में तीस दिसंबर को पहुंचेगी। यात्रा के दौरान अमित शाह के आने की संभावना है। हालांकि इस संबंध में कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है। बैठक में यात्रा के लिए रूट भी निर्धारित किया गया। नगर विधायक रितेश गुप्ता की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं के साथ यात्रा पर मंथन हुआ।

योगी राज में बिलों में घुस गए गुंडे-माफिया : स्वतंत्र देव

जन विश्वास यात्रा के साथ झांसी के मऊरानीपुर पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा योगी सरकार में प्रदेश के बड़े-बड़े माफिया, गुंडे बिलों में घुसे हुए हैं। पिछली सरकारों में प्रदेश में अपराधों की बाढ़ सी आ गई थी। बोले कि प्रदेश में पांच लाख सरकारी नौकरियां दी गईं, इसमें एक रुपये का भी भ्रष्टाचार नहीं हुआ। जबकि, अखिलेश सरकार में परिवारवाद समेत तमाम लोगों की सूचियां जारी होती थीं। भ्रष्टाचार के बीच भर्तियां होती थीं। वह सुखनई नदी के तट पर स्थित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। पूरी सभा के दौरान स्वतंत्र देव सबसे ज्यादा पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर हमलावर रहे। उन्होंने कहा कि विपक्षी लोग योगी को अनुपयोगी बता रहे हैं। जबकि, विपक्ष अपनी गलतियों और अयोग्यता के कारण खुद अनुपयोगी बन गया है। बोले कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार पूरी ईमानदारी के साथ देश का विकास व लोगों के कल्याण में जुटी हुई है। इससे पूरी दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। स्वतंत्र देव सिंह ने आने वाले चुनाव में भाजपा को जिताने की अपील करते हुए कहा कि आपके एक-एक वोट से बनने वाली भाजपा की सरकार देश-प्रदेश की तस्वीर बदल सकती है।

कुलदीप सिंह सेंगर सड़क दुर्घटना मामले में बरी

» दुष्कर्म पीड़िता ने लगाया था आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के चर्चित उन्नाव कांड मामले में दुष्कर्म पीड़िता और उसके स्वजन के साथ वर्ष 2019 में हुई सड़क दुर्घटना में भाजपा से निष्कासित पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर समेत छह लोगों को राउज एवेन्यू कोर्ट ने बरी कर दिया। जबकि कोर्ट ने ट्रक चालक समेत चार आरोपितों के खिलाफ आरोप तय किया है। 28 जुलाई 2019 को रायबरेली में जेल में बंद चाचा से मिलने जा रही दुष्कर्म पीड़िता की कार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी थी। इस कार में सवार पीड़िता की चाची, मौसी समेत तीन लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद पीड़िता के चाचा ने पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर सहित 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

घटना की जांच कर रही सीबीआई ने इसे महज एक हादसा बताया था। उसकी जांच में सामने आया था कि हादसे को अंजाम देने के लिए कोई साजिश नहीं रची गई थी। इस मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य महानगर दंडाधिकारी रविंद्र कुमार पांडेय के कोर्ट ने कुलदीप सिंह सेंगर, कोमल सिंह, अरुण सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह, रिंकू सिंह उर्फ प्रखर सिंह और अवधेश सिंह को बरी करते हुए कहा कि इनके खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं है। लेकिन कोर्ट ने आरोपित ट्रक चालक आशीष पाल के खिलाफ सुरक्षा को खतरा पहुंचाने का आरोप तय किया है। वहीं आरोपित विनोद मिश्रा, हरिपाल सिंह और नवीन सिंह के खिलाफ धमकी देने का आरोप तय किया है। बता दें 2017 में नाबालिग से दुष्कर्म के एक अलग मामले में पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर को उम्रकैद की सजा सुनाई जा चुकी है। वह जेल में सजा काट रहे हैं।

निजीकरण के नाम पर बेचा जा रहा सब कुछ: वरूण

» बीजेपी सांसद बोले- करोड़ों लोगों को बर्बाद करने की साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संसदीय क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने कहा कि निजीकरण के नाम पर करोड़ों लोगों की बर्बाद करने की साजिश है। वह पीलीभीत शहर के गांधी प्रेक्षागृह में जिले के व्यापारियों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने व्यापारियों की समस्याएं जानीं, समाधान का भरोसा दिलाया। बांसुरी महोत्सव के नाम पर धन वसूली की शिकायत आने पर उन्होंने नाराजगी जताई।

निजीकरण और ई-कॉमर्स के जरिए हो रहे तमाम कारोबार को देश की अर्थ व्यवस्था के लिए खतरा बताया। सांसद वरुण गांधी ने कहा कि हर चीज को मुनाफे की दृष्टि से देखना ठीक नहीं है। नौकरियां देने की जगह छीनने का काम हो रहा है। निजीकरण के नाम पर सब कुछ बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि हिन्दू-मुस्लिम, अगड़ा-पिछड़ा, जात-पात के जाल से निकलिए संगठित होकर आवाज उठाइए और देश बचाइए। सांसद ने कहा कि नौजवान रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं और ऊपर से निजीकरण के नाम पर करोड़ों लोगों को बर्बाद करने की साजिश रची जा रही है। वह बोले कि उनके लिए देश पहले है। राजनीति बाद की बात है। वह राष्ट्र के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं।

भीख मांगने से कभी अधिकार नहीं मिलता

बीजेपी के फायर ब्रांड सांसद वरुण गांधी ने कहा कि दो अक्टूबर को कुछ लोग एक मुहिम चला रहे थे महात्मा गांधी के खिलाफ, वे लोग नाथूराम गोडसे जिंदाबाद का नारा लगा रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें उस देश में रहते हुए शर्म आती है जो लोग महात्मा गांधी के हत्यारों को जिंदाबाद कह रहे हैं। जो लोग नाथूराम गोडसे का समर्थन और सपोर्ट कर रहे हैं उनको फांसी देनी चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मैं देश का पहला सांसद हूं जिसने लखीमपुर घटना को लेकर गृह राज्य मंत्री टेनी के इस्तीफे की बात की थी। दरअसल, विभिन्न विभागों में संविदा पर कार्यरत कर्मी अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे थे, तभी उनके बीच संसद वरुण गांधी पहुंच गए। उन्होंने संविदा कर्मियों से कहा कि भीख मांगने से कभी अधिकार नहीं मिलता। इसलिए अपनी शक्ति दिखाइए, ताकि अधिकार के लिए किसी के सामने हाथ न फैलाना पड़े।

यूपी सरकार हर श्रमिक को दो किस्तों में देगी 2000 रुपए भत्ता

» जनवरी में मिलेगी पहली किस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार असंगठित क्षेत्र के पंजीकृत मजदूरों को 1000-1000 रुपये की दो किस्तों में भरण पोषण भत्ता देगी। श्रम विभाग ने इस बारे में शासनादेश जारी कर दिया है। भत्ते की यह राशि असंगठित क्षेत्र के उन सभी मजदूरों को मिलेगी जो 31 दिसंबर तक उत्तर प्रदेश असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा बोर्ड में पंजीकृत होंगे।

दो माह के लिए मजदूरों को भत्ते की पहली किस्त के तौर पर एक हजार रुपए जनवरी में देने की तैयारी की जा रही है। यह राशि उत्तर प्रदेश असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के माध्यम से दी जाएगी। योगी सरकार ने विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान पेश किए गए चालू वित्तीय वर्ष के दूसरे अनुपूरक बजट में असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को 2000 रुपये भरण-पोषण भत्ता देने के लिए 4000 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। उत्तर प्रदेश असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा बोर्ड में अब तक लगभग 2.5 करोड़ मजदूर पंजीकृत हो चुके हैं। मजदूरों के बैंक खातों में यह रकम सीधे भेजी जाएगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

सपा सांसद जया ने राज्यसभा में भाजपा को दिया श्राप

» खुद पर टिप्पणी से नाराज जया बच्चन बोलीं, आप लोगों के बुरे दिन आएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा में एक टिप्पणी पर समाजवादी पार्टी से सांसद जया बच्चन भड़क गईं। उन्होंने इसे खुद पर लगाया गया आक्षेप करार दिया और गुस्से में भाजपा को बुरा-भला कहा। जया बच्चन ने कहा कि जल्द ही भाजपा के बुरे दिन आएंगे। माजरा एनडीपीएस (संशोधन) विधेयक पर बहस के दौरान का है। इस चर्चा के दौरान जया बच्चन ने विपक्ष के 12 निलंबित सदस्यों का मसला उठा दिया।

जया बच्चन ने पीठ पर मौजूद भुवनेश्वर कलिता से कहा कि वह दिन याद कीजिए जब आप खुद सदन में सभापति के आसन के नजदीक वेल में आ जाया करते थे। इसलिए वह उन्हें (कलिता को) बोलने का मौका देने के लिए धन्यवाद नहीं देंगी। जया के इस वाक्य पर भाजपा के सदस्यों ने कड़ा एतराज जताया। भाजपा के राकेश सिन्हा ने इसे पीठ का अपमान बताया लेकिन जया बच्चन ने बोलना जारी रखा। जया बच्चन ने कहा कि जिस समय देश कई चुनौतियों का सामना कर रहा है उस समय मसौदे में व्याप्त भाषा की एक मामूली खामी को दूर करने के लिए सदन तीन-चार घंटे का समय लगा रहा है। इसी दौरान चल रही कहा-सुनी में जया ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणी की गई है और पीठ उसका संज्ञान ले। पीठासीन सभापति से कहा, टिप्पणी मेरे करिअर को लेकर की गई है इसलिए टिप्पणी करने वाले पर कार्रवाई होनी चाहिए। सभापति इस मामले में तटस्थ रवैया अपनाएं। जया बच्चन ने कहा, आप सदन की कार्यवाही के दौरान किसी पर व्यक्तिगत टिप्पणी कैसे कर सकते हैं? श्राप देती हूं, आप लोगों के बुरे दिन आएंगे। इस दौरान भाजपा और सपा के सदस्यों के बीच तीखी नोक-झोंक चल रही थी। कई सदस्यों ने उत्तर प्रदेश के प्रस्तावित विधानसभा चुनावों को लेकर भी टिप्पणियां कीं। सपा सदस्यों ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार उनके नेताओं और परिवारों को राजनीतिक कारणों से निशाना बना रही है।

मिशन यूपी: आधी आबादी को रिझाने में जुटी कांग्रेस, तेज किया अभियान

- प्रियंका गांधी ने खुद संभाल रखी है कमान, कर चुकी हैं कई घोषणाएं
- महिलाओं के लिए अलग से जारी किया गया है घोषणा पत्र

» संवाद के लिए निकाली जा रही महिला शक्ति यात्राएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में सियासी सूखा खत्म करने में कांग्रेस ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। विधान सभा चुनाव से पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने महिला कार्ड चल दिया है। वे आधी आबादी को रिझाने में जुटी हुई हैं। इसके लिए उन्होंने न केवल लड़की हूं, लड़ सकती हूं का नारा बुलंद किया है बल्कि सत्ता में आने पर कई वादों को पूरा करने का संकल्प भी जताया है। इसके अलावा सभी जिलों में महिलाओं से संवाद के लिए महिला शक्ति यात्राएं निकाली जा रही हैं।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रदेश कांग्रेस में नयी जान फूंकने के लिए लगातार कोशिश कर रही है। विधान सभा चुनाव में कांग्रेस को सफलता दिलाने के लिए उन्होंने महिलाओं वोटरों पर अपना फोकस कर दिया है। महिलाओं के लिए उन्होंने कई घोषणाएं की हैं। इसके अलावा महिला घोषणा पत्र अलग से जारी किया गया है। प्रदेश महासचिव एवं मुरादाबाद प्रभारी सचिन चौधरी ने कहा कि विधान सभा चुनाव से पहले की कांग्रेस महिलाओं के लिए हेल्पलाइन शुरू करने जा रही है। हेल्पलाइन पर फोन करते ही महिलाओं को मदद मिलेगी। कांग्रेस देश का पहला ऐसा राजनीतिक दल है, जिसने महिलाओं के लिए अलग से घोषणा पत्र जारी किया है। प्रदेश में कांग्रेस सत्ता में आई तो 20 लाख नई सरकारी नौकरी में 40 फीसदी आरक्षण महिलाओं को दिया जाएगा। जिन महिलाओं का रोजगार कोरोना से प्रभावित हुआ है, उनको वेतन सब्सिडी दी जाएगी। टिकटों में महिलाओं को 40 प्रतिशत भागीदारी, छात्राओं को स्मार्ट फोन और स्कूटी, सालाना तीन गैस सिलेंडर और फ्री बस यात्रा देंगे। वहीं कांग्रेस द्वारा प्रदेश भर में महिला शक्ति यात्राएं निकाली जा रही हैं।

किसानों पर भी फोकस

कांग्रेस की नजर किसानों पर भी है। घोषणा की गयी है कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर किसानों का कर्ज माफ होगा। 2500 रुपये क्विंटल में गेहूं, धान और गन्ना 400 रुपये प्रति क्विंटल खरीदा जाएगा। बिजली बिल हाफ होगा। दरअसल, कृषि कानूनों को लेकर चले किसान आंदोलन को देखते हुए कांग्रेस ने किसानों पर डोरे डालने में जुट गयी है। माना जा रहा है कि आंदोलन के कारण किसान भाजपा से नाराज है और इसका फायदा विपक्ष को मिल सकता है।

प्रतिज्ञाओं की दी जा रही जानकारी

कांग्रेस पदाधिकारी प्रत्येक विधान सभा में अलग-अलग क्षेत्रों से महिला शक्ति यात्राएं निकाल रही है। इन यात्राओं के द्वारा पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव व उप्र की प्रभारी प्रियंका गांधी द्वारा सत्ता में महिलाओं को दी जाने वाली भागीदारी, उनके लिए की गई प्रतिज्ञाओं की जानकारी दी जा रही है।

विस चुनाव: प्रत्याशी को एक ही खाते से करने होंगे चुनाव संबंधी सारे खर्च

- इस बार उम्मीदवारों को अलग से खोलना होगा बैंक खाता
- उम्मीदवार के परिवार के किसी सदस्य या किसी अन्य व्यक्ति के नाम से खाते नहीं खोले जा सकेंगे

» निर्वाचन क्षेत्र में 50 हजार से अधिक कैश नहीं ले जा सकेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में होने वाले विधान सभा चुनाव में प्रत्याशियों को चुनावी खर्च के लिए अलग से बैंक खाते खोलने होंगे। इसके निर्देश निर्वाचन आयोग ने दिए हैं। प्रत्याशी को नामांकन के समय इन खातों की जानकारी चुनाव आयोग को देनी होगी अगर कोई उम्मीदवार बैंक खाते की सूचना नहीं देता है तो उसे निर्वाचन अधिकारी नोटिस जारी करेगा। निर्वाचन आयोग की ओर से बताया गया है कि चुनावी खर्च के लिए बैंक खाता या तो प्रत्याशी के नाम से खोला जाएगा या निर्वाचन अभिकर्ता के साथ संयुक्त रूप से प्रदेश में कहीं भी खोले जा सकेंगे। चुनाव संबंधी सारे खर्च प्रत्याशी को इसी खाते से करने होंगे। चुनावी खर्च के लिए प्रत्याशी के परिवार के किसी सदस्य या किसी अन्य व्यक्ति के नाम से खाते नहीं खोले जा सकेंगे।

अभ्यर्थी के पहले से खुले खाते का इस्तेमाल चुनावी खर्च के लिए नहीं किया जाएगा। चुनावी खर्च के लिए खोले गए खाते में सभी खर्च के पैसे जमा होंगे। चुनाव परिणाम के 30 दिन के अंदर खर्च का विवरण निर्वाचन अधिकारी को देना होगा। निर्वाचन आयोग की ओर से कहा गया है कि प्रत्याशियों के बैंक खाते खोलने के लिए बैंकों में अलग से काउंटर बनाया जाए। इसके निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा बैंकों को दिया जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिया जाए कि निर्वाचन अवधि के दौरान बैंक इन खातों में जमा और उनसे निकासी की अनुमति प्राथमिकता के आधार पर देंगे। आयोग ने सभी प्रत्याशियों को चुनावी खर्च के लिए बैंक खाते से 20 हजार रुपये तक नकद राशि खर्च कर सकेंगे। इससे अधिक पैसों का भुगतान इसी खाते से क्रास एकाउंट पेई चेक, ड्राफ्ट या आरटीजीएस, एनईएफटी के माध्यम से किया जा सकेगा। निर्वाचन आयोग ने उच्चतम न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए कहा है कि कोई प्रत्याशी, एजेंट या उसका समर्थक निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन क्षेत्र में 50 हजार रुपये से अधिक कैश नहीं ले जा सकता। इसका असर जल्द दिखेगा।

चुनावी बांड पर सार्वजनिक नहीं होगी रिपोर्ट

चुनावी बांड को लेकर रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होगी। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने रिपोर्ट की जानकारियां उजागर करने से इन्कार कर दिया और इस संबंध में दायर अपील को खारिज कर दिया। बता दें कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा चुनावी बांड की बिक्री और उन्हें भुनाने के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और केंद्र सरकार को वर्ष 2018 में सौंपी गई रिपोर्ट की जानकारी सार्वजनिक करने के लिए आयोग में अपील दायर की गई थी। यह अपील आरटीआई कार्यकर्ता वेंकटेश नायक ने दायर की थी। सूचना आयुक्त सुरेश चंद्रा ने कहा कि इस मामले को और लंबित रखने का कोई औचित्य नहीं है क्योंकि आयोग द्वारा हस्तक्षेप का अनुरोध करने वाली अपील में कोई दम नहीं है। गौरतलब है कि सूचना के अधिकार के तहत इससे जुड़े मामलों में फैसला करने वाली शीर्ष संस्था केंद्रीय सूचना आयोग है।

जानकारी उपलब्ध कराने का अनुरोध

सूचना आयुक्त ने कहा कि आयोग को मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर गौर करने, दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और रिकार्ड देखने के बाद लगता है कि अपीलकर्ता को पर्याप्त सूचना दे दी गई है। दरअसल यह मामला आरटीआई कार्यकर्ता नायक द्वारा दायर आठ बिंदुओं वाली एक अपील से संबंधित है। आरटीआई कार्यकर्ता ने मार्च और अप्रैल 2018 में स्टेट बैंक द्वारा बेचे गए चुनावी बांड के मूल्य का विवरण, कुल खरीदारों की संख्या, बांड खरीदने के लिए जमा किए गए आवेदन पत्र, स्टेट बैंक द्वारा बांड की बिक्री और उन्हें भुनाने को लेकर रिजर्व बैंक और सरकार को जमा की गई रिपोर्ट की जानकारी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था।

चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग ने कमर कसी

उत्तर प्रदेश में होने वाले विधान सभा चुनाव की तैयारियों में जुटे राज्य निर्वाचन आयोग की तरफ से कहा गया है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण अंतिम प्रक्रिया के तहत एक दो दिन में करा लिया जाय। वहीं दूसरी तरफ निर्वाचन आयोग इस बात का भी प्रयास कर रहा है कि चुनाव के दौरान मतदान प्रतिशत को भी बढ़ाया जाए। इसके लिए सारी तैयारियों को पूरा करने के लिए जिलाधिकारियों से कहा गया है। विधान सभा निर्वाचन के लिए सभी आवश्यक सामग्री की समय से व्यवस्था करने के लिए शीघ्र कार्ययोजना तैयार की जा रही है तथा मतदेय स्थलों पर मूलभूत व्यवस्थाएं भी सुनिश्चत कराने को कहा गया है, जिससे कि निर्वाचन के दौरान किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो। मतदान मशीनों के रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने के साथ ही प्रचार-प्रसार के लिए सभी मतदान केंद्रों पर प्रशिक्षण के लिए मतदान मशीनों के संचालन सम्बंधी कार्यों का प्रदर्शन भी कर लिया जाय।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

भारत-मध्य एशिया संवाद के मायने

“ सवाल यह है कि इस संवाद का एशिया की राजनीति और कूटनीति पर क्या प्रभाव पड़ेगा? भारत को इससे क्या फायदा होगा? क्या अफगानिस्तान को मानवीय सहायता उपलब्ध कराकर भारत तालिबान से कूटनीति संबंध स्थापित करने की कोशिश कर रहा है? क्या अफगानिस्तान में बढ़ते चीन और पाकिस्तान के दखल को रोका जा सकेगा?

नई दिल्ली में तीसरा भारत-मध्य एशिया संवाद का आयोजन किया गया। इसमें भारत और पांच मध्य एशियाई देशों ने यह स्वीकार किया कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल आंतकवाद के लिए नहीं होना चाहिए। साथ ही अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। इसके अलावा इसमें आर्थिक और सामाजिक सहयोग के साथ क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करने पर भी सहमति बनी। सवाल यह है कि इस संवाद का एशिया की राजनीति और कूटनीति पर क्या प्रभाव पड़ेगा? भारत को इससे क्या फायदा होगा? क्या अफगानिस्तान को मानवीय सहायता उपलब्ध कराकर भारत तालिबान से कूटनीति संबंध स्थापित करने की कोशिश कर रहा है? क्या अफगानिस्तान में बढ़ते चीन और पाकिस्तान के दखल को रोका जा सकेगा? क्या पाकिस्तान के हुक्मरानों को अफगानिस्तान के जरिए भारत में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने से रोका जा सकेगा? क्या अफगानिस्तान में लोकतंत्र की बहाली के बिना शांति की स्थापना हो सकेगी?

तालिबानी शासन के बाद से अफगानिस्तान पूरी दुनिया से कट गया है। अभी तक किसी देश ने तालिबानी सरकार को मान्यता नहीं दी है। उसको दी जाने वाली आर्थिक सहायता भी रोक दी गयी है। इसके कारण वहां की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। वहां की जनता भूखमरी की कगार पर पहुंच चुकी है। इसको लेकर भारत समेत पूरी दुनिया चिंतित है। अफगानिस्तान को बिना मान्यता दिए वहां के लोगों को कैसे मानवीय सहायता पहुंचायी जाए इसके लिए भारत लगातार पहल कर रहा है। भारत और मध्य एशिया संवाद की बैठक में अफगानिस्तान की मौजूदा हालात को लेकर चिंता व्यक्त की गई। बैठक में कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान व उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्रियों ने भाग लिया। दरअसल, अफगानिस्तान को मानवीय सहायता उपलब्ध कराकर भारत न केवल यहां कूटनीति बढ़त हासिल करना चाहता है बल्कि यह भी दिखाना चाहता है कि वह अफगानी जनता के साथ है। वहीं भारत की उपस्थिति से अफगानिस्तान में पाकिस्तान और चीन के दखल पर भी अंकुश लगेगा। इससे पाक के अफगानिस्तान के जरिए भारत में आतंकी गतिविधियों को संचालित करते के मंसूबे धरे रह जाएंगे। इस मामले में भारत को मध्य एशिया के देशों का साथ मिल चुका है। रूस भी इस मामले में भारत के साथ है। जाहिर है इस तरह की बैठकों के जरिए भारत अफगानिस्तान में दबाब की राजनीति कर रहा है। इसका उसे कूटनीतिक फायदा मिलेगा। इसके अलावा वह अफगानिस्तान में अपनी अधूरी परियोजनाओं को भी पूरा कर सकेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भूख का विस्तार और सिमटते खेत

पंकज चतुर्वेदी

भले ही तीन कृषि कानून वापस होने के बाद किसान घर लौट गये हों लेकिन गंभीरता से विचार करें तो भारत की अर्थ नीति का आधार खेती-किसानी ही खतरे में है। यह संकट इतना गहरा है कि कहीं देश की बढ़ती आबादी के लिए पेट भरना एक नया संकट न बन जाए। आजादी के बाद देश अन्न पर आत्मनिर्भरता न होने की त्रासदी एक बार भुगत चुका है। आज जिस तरह खेती की जमीन तेजी से अन्य उपयोग में बदली जा रही है, किसान का खेती से मन उचाट हो रहा है, भारत पर यह खतरा बढ़ता जा रहा है कि कहीं खाद्य सुरक्षा पर खतरा न खड़ा हो जाए। यही नहीं, खेत सिकुड़ने का असर भारत के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने पर भी पड़ रहा है। भारत के गामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग और इसरो के नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर द्वारा जारी 'वैस्टलैंड एटलस-2019' में उल्लिखित बंजर जमीन को खेती लायक बदलने की सरकारी गौरव गाथाओं के बीच यह दुखद तथ्य भी छुपा है कि हमारे देश में खेती के लिए जमीन साल-दर-साल कम हो रही है, जबकि आबादी बढ़ने से खाद्य की मांग बढ़ रही है और इस दिशा में देश की दुनिया के दीगर देशों पर निर्भरता बढ़ती जा रही है।

भारत में खेती की जमीन प्रति व्यक्ति औसतन 0.12 हेक्टेयर रह गई है जबकि विश्व में यह आंकड़ा 0.28 हेक्टेयर है। सरकार भी मानती है कि पंजाब जैसे कृषि प्रधान राज्य में देखते ही देखते 14 हजार हेक्टेयर अर्थात कुल जमीन का 0.33 प्रतिशत पर खेती बंद हो गई। पश्चिम बंगाल में 62 हजार हेक्टेयर खेत सूने हो गए तो केरल में 42 हजार हेक्टेयर से किसानों का मन उचट गया। देश के सबसे बड़े खेतों वाले राज्य उत्तर प्रदेश का यह आंकड़ा बेहद खराब है। विकास के नाम पर हर साल 48 हजार हेक्टेयर खेती की जमीन को यहां उजाड़ा जा रहा है। इस बात को भी नजरअंदाज किया जा रहा है कि कम होते खेत एक बार तो मुआवजा मिलने से प्रति व्यक्ति आय का आंकड़ा बढ़ा देते हैं, लेकिन उसके बाद बेरोजगारों की भीड़ में भी इजाफा करते हैं। यह भी सच है कि मनरेगा में काम बढ़ने से खेतों में काम करने वाले मजदूर नहीं मिल रहे हैं और लिहाजा किसान खेती को तिलांजलि दे रहे हैं। नेशनल सैंपल सर्वे के मुताबिक देश में 14 करोड़ हेक्टेयर खेत हैं। 1992 में ग्रामीण परिवारों के पास 11.7 करोड़ हेक्टेयर भूमि थी जो 2020 तक आते-आते महज 9.2 करोड़ हेक्टेयर रह गई। यदि यही गति रही तो तीन साल बाद अर्थात 2023 तक खेती की जमीन आठ करोड़ हेक्टेयर ही रह जाएगी। आखिर खेत की जमीन कौन खा जाता है? इसके मूल कारण तो खेती का अलाभकारी कार्य होना, उत्पाद का माकूल दाम न मिलना, मेहनत की सुरक्षा आदि तो हैं ही, विकास ने सबसे ज्यादा खेतों की हरियाली का दमन किया है। पूरे देश में इस समय बन रहे या प्रस्तावित छह औद्योगिक कॉरीडोर के लिए कोई 20.14 करोड़ हेक्टेयर जमीन की बलि चढ़ेगी। जाहिर है इसमें खेत भी होंगे। सरकारी रिपोर्ट में भले ही बहुत से आंकड़े दर्ज हों कि कितनी सारी बंजर या बेकार जमीन को काम लायक बदल दिया गया है, लेकिन खेतों के कंक्रीट में बदलने के आंकड़े निराशाजनक हैं। जो देश 2031 तक डेढ़ सौ करोड़ की आबादी पार कर जाएगा, वहां की खाद्य सुरक्षा बगैर खेती का इजाफा किए कैसे संभव होगी। किसानों के प्रति अपनी चिंता को दर्शाने के लिए सरकार के प्रयास अधिकांशत: उसकी चिंताओं में इजाफा ही कर रहे हैं। बीज को ही लें, गत पांच साल के मामले सामने हैं कि बीटी जैसे विदेशी बीज महंगे होने के बावजूद किसान को घाटा ही दे रहे हैं। ऐसे बीजों के अधिक पैदावार व कीड़े न लगने के दावे झूठे साबित हुए हैं। इसके बावजूद सरकरी अफसर विदेशी जेनेटिक बीजों के इस्तेमाल के लिए किसानों पर दवाब बना रहे हैं।

रासायनिक खाद व कीटनाशकों के अंधाधुंध इस्तेमाल के दुष्परिणाम किसान व उसके खेत झेल रहे हैं। इसके बावजूद सरकार चाहती है कि किसान पारंपरिक खेती के तरीके को छोड़ नई तकनीक अपनाएं।

इसके पीछे कतिपय वित्तीय संस्थाएं हैं जो ग्रामीण भारत में अपना बाजार तलाश रही हैं। किसान कर्ज से बेहाल है। नेशनल सैंपल सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि आंध्र प्रदेश के 82 फीसदी किसान कर्ज से दबे हैं। पंजाब और महाराष्ट्र में यह आंकड़ा औसतन 65 प्रतिशत है। इन राज्यों में किसानों की खुदकुशी की घटनाएं प्रकाश में आई हैं। किसान को उसके उत्पाद का सही मूल्य मिले, उसे भंडारण, विपणन की माकूल सुविधा मिले, खेती का खर्च कम हो व इस व्यवसाय में पूंजीपतियों के प्रवेश पर प्रतिबंध-जैसे कदम देश का पेट भरने वाले किसानों का पेट भर सकते हैं।

विवाह उम्र बढ़ाने की पहल

आशुतोष चतुर्वेदी

केंद्र सरकार लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र 18 से 21 साल करने पर विचार कर रही है। अभी शादी की न्यूनतम उम्र लड़कों के लिए 21 और लड़कियों के लिए 18 साल है। सरकार लंबे समय से इस पर काम कर रही है और जल्द ही इस विषय में फैसला लिया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में इसका उल्लेख करते हुए कहा था कि लड़कियों की शादी की उम्र को लेकर समीक्षा की जा रही है। इसके बाद जया जेटली की अध्यक्षता में 10 सदस्यों की टास्क फोर्स का गठन किया गया। भारत में बाल विवाह की कुप्रथा गहरे से समायी हुई है। इसे रोकने के लिए जब आजादी के पहले उम्र में बदलाव किया गया था, तब भी इसका विरोध करनेवाले कम नहीं थे। इसे निजी मामलों में हस्तक्षेप और न जाने क्या क्या कहा गया था। उस वक्त कम उम्र में शादी रोकने के लिए कोई कानून नहीं था।

हरविलास सारदा एक शिक्षाविद, न्यायाधीश और समाज सुधारक थे। 1927 में उन्होंने बाल विवाह रोकने का प्रस्ताव पेश किया। इसमें लड़कों के लिए न्यूनतम उम्र 18 और लड़कियों के लिए 14 साल करने का प्रस्ताव था। 1929 में यह कानून बना और इसे उनके ही नाम पर सारदा एक्ट के नाम से जाना जाता है। उस वक्त ऐसा कानून आना बहुत बड़ी बात थी। इस कानून में 1978 में संशोधन कर लड़कों के लिए शादी की न्यूनतम उम्र 21 साल और लड़कियों के लिए 18 साल कर दी गयी, मगर तब भी बाल विवाह नहीं रुका। 2006 में बाल विवाह रोकथाम कानून लाया गया। इसमें बाल विवाह करानेवालों के खिलाफ दंड का भी प्रावधान हुआ। मौजूदा कानून में बाल विवाह पर दो साल जेल की सजा और एक लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान है। कड़ी सजा के प्रावधान के बावजूद बाल विवाह की जड़ें इतनी गहरी हैं कि लोग कानून की परवाह नहीं करते। आज भी आखा तीज के मौके पर राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में बाल विवाह होते हैं। अगर आप गौर करें तो पायेंगे कि शहरी लड़कियां 26 से 28 वर्ष की आयु में ही शादी करती नजर आ रही हैं। वे नौकरियां कर रही हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं। वे अपने जीवन के फैसले खुद कर रही हैं। होता यह आया है कि जब करियर बनाने का समय आता है, तब अधिकतर लड़कियों की शादी हो जाती है। विश्व बैंक के आकलन के अनुसार भारत में महिलाओं की नौकरी छोड़ने की दर बहुत अधिक है। इसका एक बड़ा कारण शादी है। कच्ची उम्र में ही लड़कियों की शादियां जारी हैं। नतीजतन लड़कियां जल्द मां बन जाती हैं और उसका खामियाजा उन्हें और उनके बच्चे, दोनों को उठाना पड़ता है। यह भी गौरतलब है कि इस देश की एक बहुत बड़ी समस्या है शादी। बच्चे अपने आप शादी कर लें तो परेशानी और न करें तो परेशानी। अंतरजातीय शादियां धीरे-धीरे स्वीकार्य हो चली हैं, लेकिन अंतरधर्मीय विवाह को लेकर अब भी बड़ी समस्या है।

इसमें कोई शक नहीं है कि शादी जीवन का अहम फैसला है और दो युवाओं का जीवन इससे जुड़ा हुआ होता है। इस मामले में भारतीय समाज के नजरिये में बदलाव तो आया है, पर उसकी रफ्तार बेहद धीमी है। हाल में देश ने नम आंखों से अपने पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ को विदाई दी। जनरल बिपिन रावत और उनकी पत्नी के पार्थिव शरीर को उनकी बेटियों- कृतिका और तारिणी- ने मुखाग्नि दी। बेटियों के कहने पर ही ऐसा किया गया। जिस भारतीय समाज में आज भी लोग बेटे-बेटियों में फर्क करते हैं, उसमें यह निश्चिय ही एक अहम संदेश है कि दोनों बराबर हैं। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के जोवा गांव की निवासी आईएएस तपस्या परिहार ने अपने एक साथी अधिकारी गर्वित गंगवार से शादी की है। तपस्या परिहार ने शादी में कन्यादान कराने से इनकार कर दिया। उन्होंने अपने पिता से कहा कि वे दान करने की चीज नहीं हैं, वे उनकी बेटी हैं और हमेशा रहेंगी। तपस्या परिहार एमपी कैडर और उनके पति गर्वित गंगवार तमिलनाडु कैडर के अधिकारी हैं। महिला सशक्तीकरण के लिए कार्यरत संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूएन वीमेन ने 'महिलाओं की प्रगति 2019-2020: बदलती दुनिया में परिवार' विषय से एक रिपोर्ट तैयार की थी। इसमें विश्व भर से आंकड़े एकत्र कर परिवारों की मौजूद परंपराओं, संस्कृति और मनोवृत्तियों का अध्ययन किया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनियाभर में महिलाओं के वजूद और अधिकारों को नकारने का चलन देखा जा रहा है। यह सब परिवार की संस्कृति और मूल्यों को बचाने के नाम पर किया जाता है। हर पांच में से एक देश में लड़कियों को लड़कों के समान संपत्ति और विरासत के अधिकार नहीं हैं। लगभग 19 देशों में महिलाओं को पति का आदेश मानने की कानूनी बाध्यता है। विकासशील देशों में लगभग एक-तिहाई विवाहित महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के बारे में खुद निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। परिस्थितियों में भारी बदलाव के बावजूद भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जो मानते हैं कि बेटी को ज्यादा पढ़ा-लिखा देने से शादी में दिक्कत हो सकती है। ऐसे लोग भी बहुत हैं, जो करियर के बजाय शादी को ध्यान में रख कर शिक्षा दिलवाते हैं। इस मानसिकता में बदलाव की जरूरत है।

सर्दियों में खूब खाएं

हरी मिर्च

कई बीमारियां रहेंगी दूर

जिन लोगों को तीखा खाने का शौक होता है, उनके लिए सर्दियों में पालक के पकौड़े और बरसात में प्याज के पकौड़ों की इंपॉर्टेंस बस वे खुद ही जान सकते हैं। लेकिन इन पकौड़ों का स्वाद हरी मिर्च के बिना अधूरा ही रहता है। अगर आप भी तीखा खाने के शौकीन हैं तो इस सीजन में हरी मिर्च खाएं, यह आपको टेस्ट देने के साथ ही सर्दियों में होनेवाली कई शारीरिक दिक्कतों से बचाएगी...

एसिडिटी की समस्या भगाए

लाल मिर्च पाउडर के सेवन से पेट में एसिडिटी की दिक्कत बहुत जल्द हो जाती है जबकि हरी मिर्च का सेवन एक लिमिट में किया जाए तो इस समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है।

पाचन तंत्र को करे मजबूत

हरी मिर्च पाचन तंत्र को मजबूत कर पाचन क्रियाओं को दुरुस्त करती है। हरी मिर्च में फाइबर्स भी अच्छी मात्रा में होते हैं, जिससे भोजन का पाचन जल्दी होता है। इससे पेट साफ रहने में मदद मिलती है। जिन लोगों को पेट में भारीपन की शिकायत रहती है, उन्हें भी भोजन के साथ हरी मिर्च का सेवन करना चाहिए।

विटमिन-सी की पूर्ति

हरी मिर्च में प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला विटामिन-सी चोट या घाव को भरने का काम करता है। विटामिन-सी हड्डियों, दांतों और आंखों के लिए भी फायदेमंद होता है। जिन लोगों को सर्दियों में जोड़ों के दर्द की समस्या होती है, उन्हें भी हरी मिर्च खाने से काफी राहत मिल सकती है।

खराब कोलेस्ट्रॉल होगा कंट्रोल

रोज खाएं एक चकोतरा

दिल की बीमारियों का खतरा कम करने का काम भी चकोतरा करता है। कोलेस्ट्रॉल घटाकर यह रक्त को पतला करने में मदद करता है। इससे स्ट्रोक का रिस्क कम होता है। ऐसे ही बहुत से फायदे हैं चकोतरा खाने के।

ग्रेप फ्रूट के नाम से मशहूर

- सर्दी के मौसम में आनेवाले प्रमुख फलों में शामिल है चकोतरा। धूप में बैठकर इस फल का लुत्फ उठानेवाले इसके स्वाद और इससे होनेवाले फ्रेश मूड का अनुभव जानते हैं। यह एक पौष्टिक फल है और आमतौर पर पहाड़ी मैदानों के साथ ही प्लेन्स में भी उतना ही लोकप्रिय है।
- चकोतरा को ग्रेपफ्रूट के रूप में भी जाना जाता है। यह एक रसीला फल है और इसके सेवन से शरीर में पानी की कमी नहीं होती है, जिससे सर्दियों में त्वचा में खुश्की की समस्या नहीं होती है।
- चकोतरा में फैट नहीं होता और शरीर को सिर्फ जरूरी कैलोरी ही मिलती हैं। इस कारण जो लोग अपना बढ़ता हुआ वजन कम करना चाहते हैं, उन्हें भी सर्दियों में चकोतरना का उपयोग करना चाहिए।
- जिन लोगों को कोलेस्ट्रॉल से जुड़ी समस्या रहती है, उन्हें एक चकोतरा रोज खाना चाहिए। जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री की एक रिपोर्ट के अनुसार, खराब कोलेस्ट्रॉल को ठीक करने में चकोतरा अहम भूमिका निभाता है।
- दिल की बीमारियों का खतरा कम करने का काम भी चकोतरा करता है। कोलेस्ट्रॉल घटाकर यह रक्त को पतला करने में मदद करता है। इससे स्ट्रोक का रिस्क कम होता है।

चकोतरा के जूस में विटमिन-ई, सी और ए पाए जाते हैं। साथ ही यह फल बैक्टीरियल इंफेक्शन से लड़ने में मददगार है।

हंसना मना है

एक शराबी लेट कर गाने गा रहा था। 2-3 गाने गा कर वो उल्टा लेटकर गाने लगा... दूसरा शराबी: यार उलटा लेट कर गाने क्यूं गाने लगा। शराबी: पहले साइड 'ए' थी अब 'बी' साइड है।

एक शराबी आंखें दान करने गया, काउंटर क्लर्क ने कहा: कुछ कहना चाहते हो? शराबी: जिसे लगाओ उसे बता देना कि दो घूंट बाद खुलती है।

मां: खाना खाने के बाद आज ब्रश मत करना बंटी। बंटी: ऐसा क्यों मां? मां: इतना महंगा प्याज खाया है, आसपास वालों को तो पता चलना ही चाहिए।

टीचर: तुम देर से क्यों आए? पप्पू: सड़क पर लगे बोर्ड के कारण। टीचर: कैसे बोर्ड के कारण? पप्पू: जिस पर लिखा है, आगे स्कूल है, कृपया धीरे चलें।

एक डॉक्टर एक युवती का वजन करने के बाद बोला-आपको तुरंत अस्पताल में दाखिल हो जाना चाहिए। युवती-लेकिन डॉक्टर साहब मुझे तो कुछ भी नहीं हुआ। डॉक्टर-हां! पर आपका वजन कल से एक किलो कम हो गया है? युवती-डॉक्टर साहब घबराने की कोई बात नहीं है, मैंने आज मेकअप जो नहीं किया।

कहानी | मौत की सजा

बीजापुर के सुल्तान इस्माइल आदिलशाह को डर था कि राजा कृष्णदेव राय अपने प्रदेश रायचूर और मदकल को वापस लेने के लिए हम पर हमला करेंगे। उसने सुन रखा था कि राजा ने अपनी वीरता से कोडीवडु, कोंडपल्ली, उदयगिरि, श्रीरंगपत्तिनम, उमत्तूर और शिवसमुद्रम को जीत लिया था। सुलतान ने सोचा कि इन दो नगरों को बचाने का एक ही उपाय है कि राजा कृष्णदेव राय की हत्या करवा दी जाए। उसने बड़े इनाम का लालच देकर तेनालीराम के पुराने सहपाठी और उसके मामा के संबंधी कनकराजू को इस काम के लिए राजी कर लिया। बड़े इनाम के लालच में आकर कनकराजू राजा की हत्या करने के इरादे से तेनालीराम के घर पहुंचा। तेनालीराम ने जब अपने मित्र कनकराजू को देखा तो बड़ा प्रसन्न हुआ और अपने मित्र का खुले दिल से स्वागत किया। उसकी खूब आवभगत की और अपने घर में उसे ठहराया। एक दिन जब तेनालीराम काम से कहीं बाहर गया हुआ था तब कनकराजू ने राजा को तेनालीराम की तरफ से संदेश भेजा कि आप इसी समय मेरे घर आएं तो आपको ऐसी अनोखी बात बताऊंगा जो आपने जीवनभर न सुनी होगी। राजा, तेनालीराम के घर अक्सर जाया करते थे तो राजा बिना किसी हथियार के तेनालीराम के घर पहुंच गये। राजा को आता देख अचानक कनकराजू ने छुरे से उन पर वार कर दिया। इससे पहले कि छुरे का वार राजा को लगता, उन्होंने कसकर उसकी कलाई पकड़ ली। उसी समय राजा के अंगरक्षकों के सरदार ने कनकराजू को पकड़ लिया और वहीं उसे ढेर कर दिया। कानून के अनुसार, राजा को मारने की कोशिश करने वाले को जो व्यक्ति आश्रय देता था, उसे मृत्युदंड दिया जाता था। तेनालीराम को भी मृत्युदंड सुनाया गया। उसने राजा से दया की प्रार्थना की। राजा ने कहा कि मैं राज्य के नियम के विरुद्ध जाकर तुम्हें क्षमा नहीं कर सकता। तुमने उस दुष्ट को अपने यहां आश्रय दिया। तुम कैसे मुझसे क्षमा की आशा कर सकते हो। हां, यह हो सकता है कि तुम स्वयं फैसला कर लो, तुम्हें किस प्रकार की मृत्यु चाहिए, मुझे बुढ़ापे की मृत्यु चाहिए, महाराज। तेनालीराम ने कहा। सभी आश्चर्यचकित थे। राजा हंसकर बोले, इस बार भी बच निकले तेनालीराम।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। धर्नाजन होगा, जोखिम न लें। प्रयत्न एवं दूरदर्शिता से सहयोग एवं समर्थन मिलेगा।

वृषभ: विवाद से क्लेश होगा। दु:खद समाचार मिल सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वस्तुएं संभालकर रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है।

मिथुन: प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। मनोरंजक यात्रा होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। शुभ समाचार मिलेंगे।

कर्क: अतिथियों का आवागमन होगा। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। व्यापारिक उन्नति होगी। अनायास किसी समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह: यात्रा मनोरंजक रहेगी। वरिष्ठ जन सहयोग करेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। धनलाभ के अवसर आएंगे। अहम का भाव मन में न पनपने दें।

कन्या: घर में अशांति रह सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। तनाव रहेगा। जल्दबाजी न करें। नौकरीए व्यवसाय में इच्छित वातावरण तैयार होगा।

तुला: वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। बकाया वसूली होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। धनार्जन होगा। आलस्य को त्यागकर प्रत्येक काम समय पर करें।

वृश्चिक: नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा। आजीविका में प्रगति होगी। शत्रु भय रहेगा।

धनु: बाहरी सहयता मिलेगी। रुके कार्य बनेंगे। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। सोच-समझकर व्यय करें। पारिवारिक समस्याओं का हल सूझ-बूझ से करेंगे।

मकर: कष्ट, भय, तनाव का माहौल बनेगा। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। शत्रु पक्ष से सतर्क रहें। आपके कार्यों की परिवार एवं समाज में प्रशंसा होगी।

कुम्भ: कुसंगति से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपनी स्थिति, योग्यता के अनुरूप कार्य कर पाएँगे। अनसोचे काम होंगे।

मीन: घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बाहरी सहायता प्राप्त होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। अनायास समस्या सुलझेगी।

दीपिका-सिद्धांत की गहराइयां ओटीटी पर होगी रिलीज

शकुन बत्रा की मच अवेटेड डाइरेक्टोरियल वेंचर 'गहराइयां' का इक्सक्लूसिव डायरेक्ट-टू-सर्विस वर्ल्ड प्रीमियर करने की घोषणा अमेजन प्राइम वीडियो ने आज की है। शकुन बत्रा की जूस्का फिल्म्स के सहयोग से धर्मा प्रोडक्शंस और वायकॉम18 स्टूडियोज के साथ मिलकर प्रोड्यूस की गई है। यह फिल्म एक रिलेशनशिप ड्रामा है, जो जटिल आधुनिक रिश्तों, एडल्टिंग, गिरफ्त ढीली करने और किसी की जिंदगी के रास्ते पर नियंत्रण रखने में गहरे डूबी हुई है। 'गहराइयां' में दीपिका पादुकोण , सिद्धांत चतुर्वेदी, अनन्या पांडे और धैर्य करावा मुख्य भूमिकाएं निभा रहे हैं, साथ ही नसीरुद्दीन शाह और रजत कपूर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर 25 जनवरी से दुनिया भर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा। अमेजन प्राइम वीडियो के कंटेंट लाइसेंसिंग हेड मनीष मेंघानी ने कहा, वर्षों से अमेजन प्राइम वीडियो पर हम ऐसी कहानियां सुनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारे ग्राहकों के साथ जुड़ती हैं। हमारी आगामी पेशकश गहराइयां एक ऐसा टाइटल है जो न केवल हमारी कस्टमर्स पर गहरी छाप छोड़ेगा, बल्कि उन सिनेप्रेमियों की मांग भी पूरी करेगा, जो बारीक स्टोरीटेलिंग की तारीफ किया करते हैं। यह वाकई एक खास कहानी है, जो शकुन बत्रा ने बड़ी कुशलतापूर्वक बुनी है। उन्होंने जटिल मानवीय भावनाओं को चित्रित करने की अपनी क्षमता का एक बार फिर प्रदर्शन किया है। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस के साथ हमारी साझेदारी को और मजबूत करती है और हम दुनिया भर में मौजूद अपने ग्राहकों के सामने यह दिलकश कहानी पेश करने को लेकर रोमांचित हैं। आधुनिक रिश्तों का ऑब्जर्वेशन है 'गहराइयां' करण जौहर का कहना है, 'गहराइयां' आधुनिक रिश्तों का एक गहन, वास्तविक और ईमानदार ऑब्जर्वेशन है। शकुन ने मानवीय भावनाओं की जटिलताओं को चित्रित करने का अभूतपूर्व काम किया है। उनकी मेहनत और कलाकारों के ईमानदार व पॉवरफुल परफॉर्मेंस ने मिलकर फिल्म को वाकई एक सम्मोहक स्टोरी बना दिया है। अमेजन प्राइम वीडियो पर गहराइयां का प्रीमियर करने को लेकर हम रोमांचित हैं। 'शेरशाह' के बाद उनके साथ यह हमारी दूसरी सहभागिता है और हम उम्मीद कर रहे है कि यह फिल्म भारत और दुनिया भर के दर्शकों के साथ जुड़ जाएगी, क्योंकि इसका मुख्य विषय प्यार और दोस्ती बनाम किसी की महत्वाकांक्षा, लक्ष्य और संघर्ष है, जिसकी अपील यूनिवर्सल है।

बॉलीवुड मन की बात

PK की शूटिंग के दौरान आमिर खान एक दिन में खाते थे 100 से ज्यादा पान

आमिर खान को बॉलीवुड में परफेक्शनिस्ट कहा जाता है। वह अपने ऑनस्क्रीन किरदारों को निभाने के लिए अपने को पूरी तरह से समर्पित कर देते हैं। यही वजह है कि उन्हें फिल्म दंगल के लिए अपना वजन बढ़ाना पड़ा था। वहीं फिल्म पीके की शूटिंग से भी उनका एक दिलचस्प किस्सा जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि वे मूवी में अपने किरदार के लिए एक दिन में 100 से ज्यादा पान खा जाते थे। फिल्म पीके के 7 साल पूरे होने के मौके पर हम आपको शूटिंग के दौरान के इस दिलचस्प किस्से के बारे में बताएंगे। आमिर का मानना था कि वे पान खाकर ही कैरेक्टर को महसूस कर सकते हैं और इससे उनका एक्ट अच्छा होगा। बॉलीवुड हंगामा द्वारा पहले साझा किए गए एक वीडियो में एक पत्रकार ने आमिर खान से सवाल पूछा था कि उन्हें मूवी के लिए कितना पान खाना पड़ा। तब उन्होंने बताया कि आमतौर पर उन्हें पान खाने की आदत नहीं है, लेकिन किरदार के लिए उन्हें एक दिन में लगभग 50 से 60 पान खाए। बाद में ये संख्या 100 तक पहुंच गई। इंटरव्यू में आमिर ने बताया था कि उन्?हें हर टेक के लिए अपना मुंह भरने के लिए ताजा पान खाना पड़ता था। वह अपने होठों पर सही रंग पाने के लिए कम से कम 10-15 पान खाते थे। उन्हें रोजाना ताजा पान मिले इसके लिए सेट पर उनका एक पानवाला तय था। राजकुमार हिरानी निर्देशित मूवी पीके के आज यानी रविवार को सात साल पूरे हो गए हैं। पीके भारतीय फिल्मों में से एक अच्छी फिल्म साबित हुई है। इसमें आमिर खान अनुष्का शर्मा, सुशांत सिंह राजपूत, संजय दत्त और बोमन ईरानी के साथ मुख्य भूमिका में थे। जबकि फाइनल सीन में अभिनेता रणबीर कपूर का भी स्पेशल कैमियो था।

शाहिद कपूर के चेहरे पर आई गंभीर चोट, लगवाने पड़े 25 टांके

बॉलीवुड मसाला

बॉलीवुड फिल्म जर्सी में अपनी भूमिका के लिए शाहिद कपूर एक प्रोफेशनल क्रिकेटर के रूप में ट्रेनिंग से गुजरे हैं। इस किरदार के लिए अभिनेता ने अपना खूब खून-पसीना बहाया है। इस भूमिका के लिए शाहिद कपूर ने पूरे टाइम बेट-बॉल के साथ फील्ड में ट्रेनिंग ली है। ट्रेनिंग के दौरान उनका कई चोटें आईं। यहां तक वो इतनी बुरी तरह भी इंजर्ड हुए कि उनके होंठों पर 25 टांके लगे। जी हां, हम सभी जानते हैं कि एक अभिनेता का चेहरा उसकी आजीविका के लिए कितना महत्वपूर्ण होता है। शाहिद कपूर को अपने चेहरे पर इंजरी का सामना करना पड़ा। फिल्म जर्सी की ट्रेनिंग के दौरान जब वो क्रिकेट प्रेक्टिस कर रहे थे तो उनके चेहरे पर सीधा बॉल लग गई और होठ कट गया था। शाहिद कपूर ने खुद जर्सी के लिए ली प्रोफेशनल ट्रेनिंग का एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें वो एक क्रिकेटर की भूमिका निभाने के लिए अपने ट्रेनिंग दिनचर्या को दिखा रहे हैं। शाहिद ने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, ये मेरा खून है-JerseyOf Dreams। शाहिद कपूर की फिल्म जर्सी का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में दिखाया गया था कि कैसे शाहिद कपूर का किरदार अपने बेटे को बर्थडे गिफ्ट में जर्सी देने कैसे मैदान पर वापसी करता है। दो मिनट 53 सेकंड के ट्रेलर में दिखाया था कि शाहिद एक बेरोजगार हैं और उनके बेटा जर्सी की डिमांड करता है।

गोल गले की स्वेट शर्ट में क्यों होता है V साइन? दिलचस्प है जवाब

तमाम ऐसी चीजें हमारे आस-पास होती हैं, जिनके बारे में हम रुककर सोचते नहीं हैं। ऐसी ही दिलचस्प सवालों में से एक है गोल गले की स्वेट शर्ट में आखिर आगे की तरफ V साइन क्यों बना रहता है? क्या ये सिर्फ डिजाइन है या फिर इसके पीछे कोई ठोस वजह भी है। हममें से ज्यादातर लोगों को ऐसा लगता है कि ये सिर्फ एक फैशन स्टेटमेंट है। गले में आगे की तरफ बना हुआ त्रिकोण यानी ट्राएंगल का निशान देखकर ज्यादातर लोग कहते हैं कि ये सिर्फ डेकोरेशन के लिए बनाया जाता है, लेकिन ऐसा नहीं है। वी नोच या फिर वी नेक के नाम से मशहूर इस डिज़ाइन को सबसे पहले स्वेटर्स और स्वेटशर्ट में एक लुक देने के लिए इस्तेमाल किया गया था, लेकिन इसके पीछे कुछ वजहें भी हैं।1926 में पहली बार बनाया गया V-Notch द रशेल एथलेटिक वेबसाइट के मुताबिक आज के जमाने में फैशन स्टेटमेंट बन चुके स्वेटशर्ट को सबसे पहले सन् 1926 में बेंजामिन रशेल ने बनाया था। उनकी स्वेटशर्ट में V-Notch बनाने के पीछे अहम वजह थी। दरअसल स्वेट शर्ट्स को सबसे पहले फुटबॉल जर्सी के तौर पर डिज़ाइन किया गया था। इसमें वी शेप में बनी डिजाइन पर एक मोटे कपड़े का पैच लगा हुआ होता था, जो ज्यादा पसीना सोख सकता था। इसके अलावा इस तरह का डिज़ाइन स्वेटशर्ट का शेप बनाए रखने में भी मदद करता था। यानि इस छोटे से साइन के पीछे बड़ा इतिहास छिपा हुआ है। स्वेटशर्ट के इतिहास से आगे बढ़ें तो वक्त के साथ-साथ इसका साइज, डिजाइन और कपड़े में भी बदलाव होता चला गया। स्वेटशर्ट में हुडीज़ और टी-शर्ट्स बनने लगीं, लेकिन V-Notch साइन को वैसा का वैसा ही रहा। तो अगली बार आप जब स्वेटशर्ट खरीदें या पहनें तो आप इसके इतिहास के बारे में पूरी तरह जागरूक होंगे। ठीक उसी तरह जैसे जींस की छोटी पॉकेट के बारे में आप जान चुके हैं कि ये क्यों बनाई जाती हैं।

अजब-गजब नहीं जानते होंगे इसका खास कारण

अस्पतालों में हरे या नीले रंग की ही पोशाक क्यों पहनते हैं डॉक्टर

अगर आप कभी अस्पताल गए होंगे तो आपने गौर किया होगा कि अस्पतालों में सफेद के अलावा सबसे ज्यादा हरा और नीला रंग ही नजर आता है। हरे या नीले पर्दे, चादरें तकिया का कवर आदि। यही नहीं, डॉक्टर्स भी सफेद कोट के अलावा सबसे ज्यादा हरे या नीले रंग की पोशाक में ही नजर आते हैं जिसे स्क्रब कहा जाता है। मगर क्या आपने कभी सोचा है कि इन रंगों के इस्तेमाल के पीछे क्या कारण है। अस्पताल में क्यों लाल, पीला, काला रंग नहीं इस्तेमाल होता? चलिए आपको इस सवाल का जवाब बताते हैं। अस्पताल में सफेद रंगों का इस्तेमाल करने के पीछा का करण सरल और स्वभाविक है जिसके बारे में शायद आप जानते होंगे। सफेद रंग, स्वच्छता और शांति दर्शाता है। इस वजह से अस्पतालों की दीवारें, डॉक्टरों के कोट, कई बार चादर, तकिया आदि भी सफेद रंग के ही होते हैं जिससे मरीज को वहां साफ-सुथरे वातावरण का अनुभव हो। मगर हरे और नीले के पीछे का कारण काफी रोचक और अनोखा है।

पहले होता था सफेद रंग की पोशाकों का इस्तेमाल

लाइव साइंस वेबसाइट के अनुसार पहले डॉक्टरों के स्क्रब सफेद ही हुआ करते थे। मगर 1900 के शुरुआती सालों में डॉक्टरों को समझ आया कि सफेद स्क्रब के क्या खतरे हैं। खून के गहरे लाल रंग को लगातार देखते रहने के बाद अगर तुरंत सफेद रंग की पोशाक को देखा जाए तो कुछ पल के लिए आंखें चमक जाती हैं, बिल्कुल वैसे ही जैसे ठंड के दिनों में अचानक चारों ओर बर्फ देखने से आंखें कुछ देर के लिए चमकने लगती हैं।

आंखों को मिलता है हरे और नीले रंग से आराम

डॉक्टरों ने शिकायत की कि सर्जरी या ऑपरेशन के दौरान ज्यादा देर तक अपने साथी डॉक्टरो को देखने से उनके सिर में गंभीर रूप से दर्द होने लगता है। और आंखें चमक जाने के कारण मरीज के ऑपरेशन में भी परेशानी आ सकती है। इसके बाद से ही डॉक्टरों ने हरे और नीले रंग के स्क्रब को पहनना शुरू किया। तुरंत लाल रंग से नजरें हटाकर हरे या नीले रंग को देखने से आंखों को आराम मिलता है और जोर भी नहीं पड़ता। इसका कारण ये है कि सफेद रंग सारी लाइट को रिफ्लेक्ट कर देता है जबकि हरा और नीला ऐसा नहीं करते। लाल रंग के खून और हरे या नीले रंग की पोशाक को एक के बाद एक देखने पर कंट्रास्ट बन जाता है जिससे नजर पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता है।

इल्यूजन से बचाता है हरा और नीला रंग

सफेद रंग या दूसरे रंग का इस्तेमाल ना करने के पीछे एक कारण है रंगों की फ्रीक्वेंसी और इल्यूजन इवेक्ट। जब डॉक्टर लाल रंग के खून या दूसरे अंगों से नजर हटाकर सफेद रंग पर डालते हैं तो उनकी आंखों में लाल रंग और शरीर के अंगों का इल्यूजन देर तक रहता है। ये बिल्कुल वैसे ही है जैसे आंखों में फ्लैश लाइट चमक जाए तो देर तक जैसा महसूस होता है।

डराने लगा ओमिक्रॉन, बूस्टर डोज के बाद भी संक्रमित

दिल्ली में तीन केसों की पुष्टि, विदेश यात्रा से लौटे थे तीनों

अभी भारत में सभी को नहीं लग सकी है वैक्सीन की दोनों डोज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोरोना का नया वेरिएंट अब डराने लगा है। ओमिक्रॉन से बचाव के लिए वैक्सीन की बूस्टर यानी अतिरिक्त खुराक को अहम विकल्प माना जा रहा है लेकिन दिल्ली में ऐसे मामले सामने आए है जिसने चिंता बढ़ा दी। यहां वैक्सीन की बूस्टर डोज लेने के बाद भी कोरोना का संक्रमण हुआ है। ऐसे मरीजों के सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग में ओमिक्रॉन संक्रमण की पुष्टि हुई है। तीनों मरीज लोकनायक अस्पताल में भर्ती हैं।

अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक ने बताया कि पिछले सप्ताह इन तीनों मरीजों में ओमिक्रॉन संक्रमण की पहचान हुई है। यह सभी भर्ती हैं। ये लोग हाल ही में विदेश यात्रा पर गए थे और वहां इन्होंने वैक्सीन की अतिरिक्त खुराक ली थी। दिल्ली आने के बाद एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग में जब कोरोना संक्रमण की पहचान हुई तो इन्हें यहां भर्ती कराया गया। हालांकि इन्होंने किस वैक्सीन की बूस्टर यानी अतिरिक्त खुराक ली थी? इसके बारे में जानकारी अब तक सामने नहीं आ पाई है। लोकनायक अस्पताल के अनुसार अब तक यहां 50 से ज्यादा कोरोना संक्रमित मरीजों को भर्ती किया जा चुका है जिनमें कुल 22 ओमिक्रॉन संक्रमित मिले हैं। इनमें से 10 मरीजों को छुट्टी मिल चुकी है और 12 का इलाज अभी चल रहा है। इनमें 22 में से करीब 14 मरीज ऐसे भी भी हैं जिन्होंने वैक्सीन की दोनों खुराक काफी समय पहले ली हैं। वहीं तीन मरीज तीसरी खुराक लेने के बाद भी संक्रमित हुए हैं। दरअसल, ओमिक्रॉन के मामले बढ़ने के बाद कई देशों ने बूस्टर डोज की मंजूरी दे दी है। भारत सरकार ने अभी बूस्टर डोज को हरी झंडी नहीं दी है। हाल ही में नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने प्रेस कान्फ्रेंस में कहा था कि सबसे पहले भारत में सभी लोगों को पूरी तरह वैक्सीनेट करना सरकार की प्राथमिकता है।

लगातार बढ़ रहे हैं केस

नई दिल्ली। देश में ओमिक्रॉन का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। भारत में इसके मामले लगातार सामने आ रहे हैं। केंद्र सरकार की दी जानकारी के मुताबिक देश में अब तक ओमिक्रॉन के 161 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। इसकी जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने राज्य सभा में दी है। सोमवार को देश में ओमिक्रॉन के 18 नए मामले सामने आए हैं। इनमें दिल्ली में छह, कर्नाटक में पांच, केरल में चार और गुजरात में तीन मामले शामिल हैं। बता दें कि भारत में 2 दिसंबर को पहला ओमिक्रॉन वेरिएंट का मामला कर्नाटक में सामने आया था। इसके बाद इसके मामले दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, तेलंगाना, गुजरात, केरल, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से सामने आ चुके हैं। महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के सबसे अधिक मामले सामने आए हैं।

रिश्वत लेते पकड़ी गयी दारोगा बर्खास्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इटावा। जिले के सैफई थाने में तैनात एक महिला दारोगा को बीस हजार की रिश्वत लेने के एक पुराने मामले में पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। इटावा के एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने महिला दरोगा को बर्खास्त करने की पुष्टि करते हुए बताया कि चार वर्ष पहले 2017 में 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़ी गई थीं। महिला दारोगा को विभागीय जांच पूरी होने के बाद दोषी मानते हुए बर्खास्त कर दिया गया। महिला दारोगा गीता यादव दो साल से सैफई थाने में तैनात थी।

एसएसपी जय प्रकाश सिंह ने बताया कि गोरखपुर जिले के बांसगांव क्षेत्र के कौड़ीराम निवासी दारोगा गीता के खिलाफ वाराणसी जिले के शिवपुर थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मामले में उसे जेल भेजा गया था और विभागीय जांच शुरू हो गई थी। जमानत पर गीता यादव जेल से छूटी थी और तैनाती दोबारा विभाग में हो गई थी। अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय एवं अपराध ने दरोगा गीता यादव को जांच में दोषी पाए जाने पर बर्खास्तगी की रिपोर्ट भेजी थी।

ड्रग्स तस्करी में अकाली नेता बिक्रम सिंह पर केस

» पंजाब पुलिस ने आधी रात की कार्रवाई, सिद्धू लगातार कर रहे थे मांग

» डीजीपी बदलने के बाद से लगने लगे थे कार्रवाई के कयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब की राजनीति में सोमवार आधी रात हड़कंप मच गया। ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने थाना मोहाली में वरिष्ठ अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। केस फेज 4 के स्टेट ब्रांच में दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई हजार करोड़ के ड्रग्स रैकेट मामले में की गई है। मजीठिया पर मामला 25, 27ए व 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किया गया है।

नशा तस्करी के मामले में लगातार कांग्रेस की तरफ से बिक्रम सिंह मजीठिया का नाम लिया जा रहा था। पंजाब कांग्रेस के प्रधान नवजोत सिद्धू का तो दावा था कि स्पेशल टास्क फोर्स की रिपोर्ट में बिक्रम मजीठिया का नाम है। वे लगातार मजीठिया पर कार्रवाई की बात कह रहे थे। इसी के चलते कुछ दिन पहले पंजाब में इकबाल प्रीत सहोता को हटाकर सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय को डीजीपी पद पर नियुक्त किया गया था। नए डीजीपी इससे पहले भी बादल परिवार के वित्तीय लेन-देन की जांच कर चुके हैं। आधी रात को डीजीपी को बदलने से पंजाब के हजारों करोड़ रुपये के ड्रग मामले में गतिविधियां काफी तेज हो गई थी। माना जा रहा था कि यह कदम ड्रग केस में कार्रवाई के लिए उठाया गया है। इससे पहले पंजाब में नवजोत सिद्धू लगातार डीजीपी बदलने की मांग कर रहे थे। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी सहोता को लेकर अड़े हुए थे। अब सरकार पर सिद्धू भी दबाव बना रहे हैं कि ड्रग मामले में सरकार को जल्द ही गिरफ्तारियां शुरू करनी चाहिए।

पाक घुसपैठिये को बीएसएफ ने किया ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के गुरदासपुर सेक्टर में भारत-पाक सीमा पर सीमा सुरक्षा बल ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गोली मार दी। बीएसएफ के अनुसार यह कार्रवाई आज सुबह की जब घुसपैठिया भारतीय क्षेत्र में आया। इसके पहले पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहे ड्रोन पर बीएसएफ जवानों ने फायरिंग की तो वह लौट गया था।

जानकारी के मुताबिक बीएसएफ की 18 बटालियन की बीओपी कस्सोवाल सीमा पर तैनात जवानों ने सीमा पर पाकिस्तानी ड्रोन उड़ता देखा। जवानों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ड्रोन पर फायरिंग शुरू कर दी। उसके बाद वह लौट गया। बीएसएफ के डीआइजी प्रभाकर जोशी ने बताया कि बीएसएफ जवानों द्वारा घनी धुंध के दौरान सीमा पर उड़ते पाकिस्तानी ड्रोन को देखते ही गोलियां चलाई गईं। बीएसएफ व पंजाब पुलिस के जवानों की ओर से क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया गया है मगर कुछ भी संदिग्ध वस्तु हाथ नहीं लगी है। जवानों एक अन्य पाकिस्तानी नौजवान को भी काबू किया गया था, जिसकी जांच जारी है।

निषाद आरक्षण पर सरकार ने मांगा केंद्र से मार्गदर्शन

» जनगणना आयुक्त को लिखा पत्र, चुनाव से पहले मुहर लगने की उम्मीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के पहले निषाद समाज को आरक्षण मिल सकता है। निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद की ओर से की गई निषादों को आरक्षण देने की मांग पर योगी सरकार ने पहल शुरू कर दी है। 17 दिसंबर की रैली में गृहमंत्री अमित शाह के आश्वासन दिए जाने के तुरंत बाद योगी सरकार इसको लेकर सक्रिय हो गई है। राज्य सरकार ने भारत सरकार के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त को पत्र भेजकर तत्काल मार्गदर्शन मांगा है।

उत्तर प्रदेश में ज्यों ज्यों नजदीक आ रहे हैं उसी तरह यहां जातीय सियासत का माहौल भी गर्मा रहा है। आरक्षण की मांग कर रहे निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने इस पर केंद्र सरकार के गृहमंत्री अमित शाह से बात की थी। इसके साथ ही योगी आदित्यनाथ को भी एक पत्र दिया। इसको भी पत्र के साथ संलग्न किया गया है। इस पत्र के जरिए निषाद आरक्षण पर तत्काल मार्गदर्शन मांगा है। उत्तर प्रदेश

शासन के विशेष सचिव रजनीश चंद्र की तरफ से रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त, भारत सरकार पत्र भेजा गया है। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने दावा किया कि समाज कल्याण विभाग के विशेष सचिव रजनीश चंद्र ने रजिस्ट्रार जनरल को निषाद पार्टी के ज्ञापन के साथ पत्र लिखा है। इसमें कहा गया कि उत्तर प्रदेश की अनुसूचित जाति की सूची के क्रमांक 53 पर मझवार जाति का उल्लेख है। प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में मझवार जाति के लोग माझी, मझवार, केवट, मल्लाह, निषाद उपनामों का प्रयोग करते हैं। इसके चलते उन्हें अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाता है। निषाद पार्टी के प्रमुख डॉ. संजय निषाद ने मझवार जाति के सभी उपनाम वाले लोगों को भी अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र प्रदान करने की मांग की है।

फैक्ट्री में लगी आग, परिवार ने पहली मंजिल से कूदकर बचाई जान

» आगरा के पीलाखार में आज सुबह लगी आग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। एत्माद्दौला क्षेत्र के पीलाखार में आज तड़के सूत का पट्टा बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। लपटों में चौकीदार का परिवार फंस गया। चौकीदार ने पहली मंजिल से कूदकर जान बचाई। उसकी पत्नी और बच्ची को दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला गया। इससे वे बेहोश हो गई। दमकल की छह गाड़ियां आग बुझाने में जुटी रहीं।

कमला नगर के नटराजपुरम निवासी शिव कुमार जैन की पीलाखार में सूत का पट्टा बनाने की फैक्ट्री है। इसमें गार्ड रूम में चौकीदार मुलायम की पत्नी पिंकी और बेटी ज्योति सो रहे थे। आज तड़के अचानक फैक्ट्री में आग लग गई। चौकीदार ने आग की लपटें देखीं तो वह घबरा गया। मुलायम ने प्रथम तल से नीचे कूदकर अपनी जान बचाई। स्थानीय लोगों ने फैक्ट्री का गेट तोड़कर चौकीदार और उसके परिवार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दोनों को हास्पिटल में भर्ती करा दिया। फैक्ट्री में धमाके के साथ दीवार ढह गई।

भाजपा को उल्टा पड़ेगा आयकर छापों का दांव!

» सपा के प्रति जनता में बढ़ रही सहानुभूति

» 4पीएम में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब उत्तर प्रदेश की सियासत में आयकर विभाग की एंट्री हो गयी है। सपा नेताओं के यहां आयकर की छापेमारी हुई है। सवाल यह है कि इसका जनता में क्या संदेश जाएगा? क्या इसका फायदा अखिलेश यादव को मिलेगा? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार सबा नकवी, रंजीव, ममता त्रिपाठी, दीपक शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता नूतन ठाकुर, प्रोफेसर लक्ष्मण यादव और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

रंजीव ने कहा, जांच एजेंसी अपना काम करती है। सवाल यह है कि एक खास दल के नेताओं के यहां छापे पड़ रहे हैं। पश्चिम बंगाल में भी ऐसा हुआ लेकिन भाजपा हार गयी। छापेमारी से अखिलेश यादव को सहानुभूति मिलेगी। नूतन ठाकुर ने कहा, इन छापों से मिली सहानुभूति को भुनाने की जरूरत है। सपा में आ रही भीड़ उन लोगों की है जो सरकार से सताए हुए हैं लेकिन एक बड़ा समूह यह मानता है कि सत्ता में उत्पीड़न होता ही है। सबा नकवी ने कहा, संस्थाओं का दुरुपयोग होना राजनीति में आम हो चुका है। मीडिया भी यह सवाल नहीं उठा रही है। इससे लोकतंत्र को नष्ट किया जाता है। ममता त्रिपाठी ने कहा, भाजपा की मंशा सपा को आर्थिक चोट देना है। यह भाजपा की हताशा दिखाती है।

लक्ष्मण यादव ने कहा, जो काम पहले पर्दे के पीछे किए जाता था उसे भाजपा खुलेआम कर रही है। विपक्ष की रैलियों में जमकर भीड़ उमड़ रही है। छापे को फायदा सपा को मिलेगा। दीपक शर्मा ने कहा, भाजपा के नेता राम इकबाल सपा में जा चुके हैं। वे भाजपा से निराश हो चुके हैं। वे लगातार भ्रष्टाचार का विरोध करते रहे हैं।

उत्तराखंड में 40 सीटों पर प्रत्याशियों का इंटरव्यू पूरा

जनवरी के पहले सप्ताह में प्रत्याशियों की सूची जारी कर सकती है कांग्रेस

» उत्तराखंड में 40 सीटों पर प्रत्याशियों का इंटरव्यू पूरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी जनवरी के पहले सप्ताह में प्रत्याशियों की सूची जारी करेगी। कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन अश्वनी पांडे ने यह बात प्रेस वार्ता में कही।

उन्होंने कहा कि अब तक 40 सीटों पर प्रत्याशियों का इंटरव्यू किया जा चुका है। आगामी चुनाव को लेकर कांग्रेस में टिकट के लिए घमासान मचा हुआ है। हरिद्वार विधानसभा से आठ और रानीपुर विधानसभा से नौ लोगों ने टिकट के लिए आवेदन किया है। इस क्रम में कांग्रेस की एक केंद्रीय टीम प्रदेश स्क्रीनिंग कमेटी के

चेयरमैन अविनाश पांडे के साथ धर्मनगरी पहुंच रही है। ज्वालापुर में आर्य नगर के पास स्थित सैनी आश्रम में दावेदारों के इंटरव्यू लिए जाएंगे। कांग्रेस पार्टी के सांगठनिक जिला पौड़ी की तीन सीटों पर दावेदारों की तस्वीर साफ हो गई है। प्रत्याशी चयन के लिए स्क्रीनिंग कमेटी के सामने भी दावेदारों की हाजिरी हो चुकी है। आरक्षित सीट पौड़ी से टिकट के लिए 13 दावेदारों ने आवेदन किया है। चौबट्टाखाल के लिए पार्टी को 7 आवेदन मिले हैं। जबकि श्रीनगर सीट पर सिर्फ दो आवेदन आए हैं।

छत्तीसगढ़ के सीएम दो दिन में करेंगे चार सभाएं

लखनऊ। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अगले 22 और 23 दिसंबर को चार जिलों में सभाएं करेंगे। इसकी शुरूआत लखनऊ के बीकेटी विधान सभा क्षेत्र के इटौंजा गांव से होगी। कल यहां भूपेश बघेल कानून

व्यवस्था, महंगाई और किसानों के सवाल पर उप्र सरकार को घेरेंगे। बताया जा रहा है कि इसके बाद वह लखीमपुर, गोरखपुर और अयोध्या में रैलियां कर सकते हैं। हालांकि अयोध्या अभी पूरी तरह से फाइनल नहीं हुआ है। बीकेटी क्षेत्र से लल्लन कुमार कांग्रेस से चुनाव लड़ने की तैयारी पिछले तीन साल से कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि उनके समर्थन के लिए यह सभा हो रही है। वहीं, लखीमपुर में उनकी जनसभा अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त कराने का राजनीतिक हिस्सा हो सकती है। भूपेश बघेल इससे पहले भी लखीमपुर कांड के दौरान वहां जाना चाहते थे लेकिन प्रदेश सरकार को उनको वहां जाने नहीं दिया था। उसके बाद उन्होंने लखनऊ एयरपोर्ट पर ही धरना दिया था। इसके अलावा सीएम के गढ़ गोरखपुर में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इससे पहले प्रियंका गांधी भी गोरखपुर में सभा कर योगी सरकार पर हमला कर चुकी हैं।

यूपी में इस बार बीजेपी का जाना तय : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहा है, नेताओं और पार्टियों के बीच आरोपों का वार-पलटवार बढ़ने लगा है। यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के लाल टोपी वाले बयान पर राजभर ने तंज कसते हुए कहा लाल टोपी ही इनके गले की फांस बनेगी।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने कहा आगामी चुनाव में बीजेपी का जाना तय है, ये चाहे जितने हथकंडे अपना लें। राजभर ने आगे कहा कि पिछड़े समाज के साथ क्या हो रहा है, ये केशव प्रसाद मौर्य को दिखाई नहीं दे रहा है। राजभर ने यूपी में कानून व्यवस्था पर तंज कसते हुए कहा कि यही बीजेपी के लोग थाने में घुसकर सीओ को मारते हैं। चीरहरण का काम किसने किया था इस सरकार में, बीजेपी के लोगों ने किया था। कहां थे ये? उन्होंने कहा यूपी मे सपा की सरकार बनने से कोई रोक नहीं सकता। राजभर ने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह विफल है।

तो मंत्री टेनी का बेटा आशीष मिश्रा जेल में ही रहेगा!

» लखीमपुर कांड में नई धाराओं के आधार पर होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर कांड में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा उर्फ मोनू की याचिका उसके वकील ने तकनीकी खामियों के चलते वापस ले ली है। वहीं अंकित दास, लतीफ, सत्यम और नंदन चारों आरोपियों की जमानत याचिका जिलाध्यक्ष के न्यायालय से खारिज कर दी गई। आशीष मिश्रा सहित 5 लोगों ने कोर्ट में जमानत अर्जी डाली थी।

14 दिसंबर को एसआईटी ने इस कांड को साजिश करार दिया था। आरोपियों पर लगाई गई धाराएं बदल दी गई थीं। नई धाराओं के बाद लोअर कोर्ट से जमानत याचिका खारिज हो गई। आशीष मिश्रा समेत 14 आरोपियों पर अब गैर इरादतन हत्या की जगह हत्या का केस चलेगा।

बता दें कि 3 अक्टूबर को हुई तिकुनिया हिंसा कांड में आशीष मिश्रा मोनू और उनके सहयोगी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बताया जा रहा है कि धाराएं बदलने के बाद हाई कोर्ट में सुनवाई टल सकती है या फिर नई धाराओं के आधार पर सुनवाई की जाएगी। ऐसे में आशीष मिश्रा को दो-तीन महीने जेल में ही रहना पड़ सकता है। लखीमपुर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी संज्ञान लिया था। अक्टूबर से लेकर अब तक वहां तीन बार सुनवाई भी हो चुकी थी। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी को धीमी जांच के लिए फटकारा था। अब कोर्ट में एसआईटी को जांच प्रगति की रिपोर्ट दाखिल करनी है। लखीमपुर हिंसा में बेटे आशीष के खिलाफ हत्या की धाराओं में केस दर्ज होने के बाद टेनी ने पत्रकारों से बदसलूकी की थी।

राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं को दिए पदक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

डॉ.भीमराव आंबेडकर विवि का दीक्षांत समारोह

लखनऊ। आगरा के डॉक्टर भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के 86वें दीक्षांत समारोह की गोल्डन गर्ल शिवानी सिंह को 13 मेडल प्रदान किए गए। राज्यपाल (कुलाधिपति) आनंदीबेन पटेल ने शिवानी सिंह को 12 गोल्ड और एक सिल्वर मेडल प्रदान किया।

विश्वविद्यालय के खंदारी परिसर स्थित जेपी सभागार में आज सुबह करीब 10 बजे दीक्षां समारोह शुरू हुआ। इसमें 69 छात्र-छात्राओं को 109 पदक प्रदान किए गए। इसमें 95 स्वर्ण और 14 रजत पदक हैं। 93 छात्र-छात्राओं को एमफिल और आठ को डी-लिट की उपाधि दी गई। दीक्षांत समारोह के मंच पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल साथ में विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय और परीक्षा नियंत्रक अजय कृष्ण यादव मौजूद रहे। इस दौरान राज्यपाल ने टीबी से ग्रसित बच्चों को स्कूल बैग भी बांटे।86वें दीक्षांत समारोह में

भी छात्राओं का जलवा रहेगा। 109 में से 74 पदक छात्राओं के खाते में आए। जबकि छात्रों को 35 पदक ही मिले।

सर्वाधिक 13 पदक एसएन मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस फाइनल प्रोफेशनल (सत्र 2019-20) की छात्रा शिवानी सिंह को प्रदान किए गए। शिवानी सिंह ने एमबीबीएस की परीक्षा एसएन मेडिकल कॉलेज से उत्तीर्ण की है। शिवानी सिंह को विभिन्न विषयों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने में 12 स्वर्ण और एक रजत पदक प्रदान किया गया। शिवानी सिंह अलीगढ़ की रहने वाली हैं। अभी पीजी की तैयारी कर रही हैं।

बसपा सांसद अतुल राय के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के बाहर रेप पीड़िता एवं उसके गवाह के आत्महत्या करने के मामले में घोसी से बसपा सांसद अतुल राय के खिलाफ पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी। सीजेएम रवि कुमार ने आरोपी बसपा सांसद को तलब किया है। अगली सुनवाई 3 जनवरी को होगी।

सांसद इस समय प्रयागराज की नैनी जेल में बंद हैं। उन्हें बी वारंट से इस मामले में 29 अक्टूबर को वीसी से न्यायिक हिरासत में लिया गया था। एसआईटी जांच की रिपोर्ट आने के बाद 27 अगस्त, 2021 को हजरतगंज थाने में एसएसआई दयाशंकर द्विवेदी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया गया था कि जांच रिपोर्ट में पता चला कि सांसद अतुल राय के खिलाफ रेप पीड़िता ने वाराणसी के लंका थाने में रेप की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

चाइल्ड लाइन कर्मी ने बेच दिया बच्चा अपहरण का केस दर्ज

» दुष्कर्म पीड़िता का बच्चा बेचे जाने का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुल्तानपुर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां स्थानीय चाइल्ड लाइन कर्मी तारा शुक्ला ने एक दुष्कर्म पीड़िता का बच्चा चोरी छिपे बेच दिया, जिससे प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

इस मामले में चाइल्ड लाइन की वालंटियर तारा के खिलाफ गोसाईगंज थाने में अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह कार्रवाई पीड़िता की तहरीर पर की है। वहीं राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने मामले में जांच

शुरू कर दी है। कांग्रेस एमएलसी दीपक सिंह ने मामले को विधान परिषद में उठाने की घोषणा की। जबकि राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग ने डीएम-एसपी से मामले में जवाब मांगा है। पुलिस के अनुसार जांच में पता चला कि गोसाईगंज क्षेत्र के एक गांव में चाइल्ड लाइन कर्मी तारा ने एक दुष्कर्म पीड़िता को फर्जी नाम और चाइल्ड लाइन केस बताकर निजी अस्पताल में भर्ती कराया था और आपरेशन के लिए 12 हजार का भुगतान किया था। इसके बाद पीड़िता द्वारा जन्मे बच्चे को तारा ने किसी अन्य को चुपके से बेच दिया। बच्चा चोरी होने का झूठा बहाना कर तारा ने मामले को दबाए रखा। पुलिस के अनुसार पीड़िता से उसके गांव के युवक ने ही दुष्कर्म किया था। जांच चल रही है। वहीं बच्चा बेचे जाने के मामले में गोसाईगंज थाना अध्यक्ष संदीप राय ने बताया पुलिस प्रत्येक बिंदुओं और पीड़िता के बयान के आधार पर जांच कर रही है। वहीं बाल कल्याण समिति भी सक्रिय हो गई है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।